काजल अग्रवाल ने थलपति विजय की जीत पर दी बधाई

तमिलनाडु चुनाव 2026 में विजय की पार्टी की बढ़त पर काजल अग्रवाल समेत कई सितारों ने बधाई दी. वरलक्ष्मी सरथकुमार और संतोष नारायणन ने भी इस जीत को ऐतिहासिक बताया.

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों के बीच अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम को मिल रही बढ़त ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. इसी बीच फिल्म इंडस्ट्री से भी उन्हें लगातार बधाइयां मिल रही हैं. अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर खास पोस्ट शेयर कर विजय की इस बड़ी उपलब्धि को 'जनता से जुड़ाव का उत्सव' बताया.

चुनाव आयोग के शुरुआती रुझानों के अनुसार, अगर यही रुझान नतीजों में बदलता है, तो यह राज्य की राजनीति में एक बड़ा बदलाव माना जाएगा.

काजल अग्रवाल का भावुक संदेश- काजल अग्रवाल ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि यह जीत सिर्फ राजनीतिक सफलता नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और प्यार का प्रतीक है. उन्होंने विजय की दूरदृष्टि, मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए उनके नए सफर के लिए शुभकामनाएं दीं. काजल ने अपने संदेश में कहा कि तमिलनाडु की जनता ने इस बार साफ तौर पर अपना फैसला सुना दिया है और यह बदलाव की उम्मीद का संकेत है.

फिल्म इंडस्ट्री से भी मिल रही बधाइयां काजल के अलावा कई अन्य कलाकारों ने भी विजय को बधाई दी है.

प्रेम बना अनुपमा का सबसे बड़ा दुश्मन

आज के एपिसोड की शुरुआत एक भावुक दृश्य से होती है, जहां अनुपमा अपने कैफे के लिए मसाले तैयार करती नजर आती है. वह अपने काम को आगे बढ़ाने के लिए पूरी मेहनत कर रही है, लेकिन तभी लीला बा वहां पहुंचकर उसे ताने मारना शुरू कर देती हैं. बा, अनुपमा पर दिग्विजय के साथ उसके रिश्तों को लेकर सवाल उठाती हैं और समाज की मर्यादा का हवाला देती हैं. इस दौरान हसमुख दादा जी अनुपमा का समर्थन करते हुए बा को समझाने की कोशिश करते हैं कि घर के मामलों को बाहर तक नहीं ले जाना चाहिए.

कहानी में सबसे बड़ा ट्विस्ट तब आता है जब प्रेम अचानक अनुपमा के घर पहुंचता है. शुरुआत में वह आशीर्वाद लेकर सम्मान दिखाता है, लेकिन कुछ ही पलों में उसका असली चेहरा सामने आ जाता है. प्रेम खुलकर

कहता है कि वह अपना नया कैफे शुरू कर रहा है और अनुपमा से उसकी सफलता छीनकर उसे बर्बाद कर देगा. उसका मानना है कि उसके पुराने कैफे के बंद होने के पीछे अनुपमा ही जिम्मेदार है.

'पति पत्नी और वो दो' का ट्रेलर रिलीज

'पति पत्नी और वो दो' के निर्माताओं टी-सीरीज़ और बी आर स्टूडियोज़ ने अब इस बहुप्रतीक्षित कॉमेडी एंटरटेनर का ट्रेलर रिलीज़ कर दिया है. पसंदीदा 'पतिवर्स' की मस्ती को दोगुनी उलझनों और तिगुनी कॉमेडी के साथ वापस लाते हुए, यह ट्रेलर गलतफहमियों, बदकिस्मती और ठहाकों से भरे पलों का एक पूरा रोलरकोस्टर है. इसके केंद्र में हैं आयुष्मान खुराना, जो प्रजापति पांडे के किरदार में नज़र आते हैं. प्रजापति पांडे एक सीधे-सादे फॉरेस्ट ऑफिसर हैं, जिनकी ज़िंदगी एक नेक काम के चलते अचानक से पूरी तरह से उलझ जाती है.

एक महिला मित्र की मदद करने की कोशिश से शुरू हुई कहानी देखते ही देखते झूठ, शक, अचानक आमने-सामने आने वाली परिस्थितियों और नामुमकिन हालातों के जाल में बदल जाती है, जिसमें प्रजापति फंस जाते हैं एक नहीं, दो नहीं, बल्कि तीन महिलाओं के बीच, जिनका किरदार निभा रही हैं सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह. जंगल की मज़ेदार घटनाओं से लेकर इमोशनल ड्रामा और भरपूर कॉमिक कन्फ्यूज़न तक, यह ट्रेलर एक ऐसी फिल्म का वादा करता है, जो ह्यूमर, दिल और नॉनस्टॉप मनोरंजन से भरपूर है.

फिल्म की इस 'वाइल्ड' और मज़ेदार भावना को ध्यान में रखते हुए, निर्माताओं ने मुंबई के संजय गांधी नेशनल पार्क में, स्टार कास्ट, निर्देशक, निर्माता और मीडिया की मौजूदगी में ट्रेलर लॉन्च किया, जिससे यह एक यादगार और अपने तरह का अलग लॉन्च बन गया.

इस फिल्म में विजय राज, तिग्मांशु धूलिया, आयशा रज़ा, दुर्गेश कुमार सहित कई बेहतरीन कलाकार भी अहम् भूमिकाओं में नज़र आएँगे.

'द केरल स्टोरी' को तीन साल हुए पूरे

सनशाइन पिक्चर्स ने इस खास अंदाज में मनाया जश्न

बॉलीवुड फिल्मकार विपुल अमृतलाल शाह की फिल्म 'द केरल स्टोरी' के प्रदर्शन के आज तीन साल पूरे हो गये हैं. विपुल अमृतलाल शाह भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के सबसे निडर और दूरदर्शी फिल्म मेकर्स में से एक हैं, जो अपनी साहसी, नई और दिलचस्प कहानियों के लिए जाने जाते हैं. उन्होंने सालों में कई सफल प्रोजेक्ट्स दिए हैं.

उनकी सबसे चर्चित और साहसी फिल्मों में से एक, 'द केरल स्टोरी', भारतीय सिनेमा में बहुत बड़ी हिट साबित हुई. आज फिल्म की रिलीज को तीन साल पूरे हो गए हैं. यह एक ऐसी कहानी के रूप में खड़ी है जिसने हर तरफ चर्चा छेड़ी, कई सवाल उठाए और पूरे देश के दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा, और देखते ही देखते यह एक ब्लॉकबस्टर हिट बन गई. इस खास मौके का जश्न मनाते हुए, सनशाइन पिक्चर्स ने सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट के जरिए फिल्म की तीसरी सालगिरह मनाई और इसके प्रभावशाली सफर को याद किया.

'द केरल स्टोरी' एक बहुत ही गंभीर और सोचने पर मजबूर

करने वाली फिल्म है, जो सच्ची घटनाओं पर आधारित है. यह फिल्म कट्टरपंथ जैसे बेहद संवेदनशील और पेचीदा विषय को उठाती है. फिल्म में केरल की कुछ युवा लड़कियों की कहानी दिखाई गई है जो कट्टरपंथी रास्तों की तरफ भटक जाती हैं. साथ ही, यह फिल्म दिखाती है कि इसका उनके परिवारों और समाज पर कितना गहरा और बुरा असर पड़ता है. इसे सुदीप्तो सेन ने डायरेक्ट किया है और सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले विपुल अमृतलाल शाह ने प्रोड्यूस किया है.

राघव और कोमल पावस्कर की नई जोड़ी है सबसे खास

बॉलीवुड फिल्मकार विकास बहल की आगामी रोमांटिक थ्रिलर 'इकाई' को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है. इस फिल्म की सबसे दिलचस्प बातों में से एक है राघव जुयाल और डेब्यू कर रही कोमल पावस्कर की ताज़ा ऑन-स्क्रीन जोड़ी.जहां फिल्म रोमांस और सस्पेंस का दिलचस्प मिश्रण पेश करने का वादा करती है, वहीं सूत्रों के अनुसार राघव और कोमल के बीच की केमिस्ट्री इस प्रोजेक्ट का एक अहम आकर्षण बनकर सामने आई है. कहा जा रहा है कि उनकी जोड़ी कहानी में एक अलग ही भावनात्मक गहराई और ताज़गी जोड़ती है.

फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया, ''इकाई' की सबसे बड़ी ताकतों में से एक राघव और कोमल के बीच का डायनामिक है. जहां राघव अपने अनप्रेडिक्टेबल और मैग्नेटिक अंदाज़ के साथ आते हैं, वहीं कोमल की सहज और नैचुरल मौजूदगी उन्हें स्क्रीन पर तुरंत आकर्षक बनाती है. ऐसे में दोनों मिलकर एक ऐसी केमिस्ट्री बनाते हैं, जो रॉ होने के साथ-साथ विश्वसनीय और ताज़गी से भरपूर है.' सूत्र ने कहा कि इस जोड़ी की एक खासियत यह भी है कि यह पारंपरिक नहीं लगती. जिस तरह से दोनों एक-दूसरे को पूरा करते हैं, उसमें एक भावनात्मक ईमानदारी है, और यह कहानी को एक अलग टेक्सचर देती है. यही वजह है कि उनकी परफॉर्मेंस के साथ उनका आपसी कनेक्शन फिल्म के सबसे बड़ी चर्चा का विषय बन गया है.अपनी अलग और दिलचस्प भूमिकाओं के जरिए अपने दर्शकों को अपने किरदारों से लगातार चौंकाते आ रहे राघव जुयाल के साथ अपनी पहली फिल्म इकाई' से डेब्यू कर रहीं कोमल पावस्कर भी सुर्खियों में आने के लिए पूरी तरह तैयार हैं.

परमब्रता चटर्जी के साथ नजर आएंगी निर्मित कौर

अभिनेत्री निर्मित कौर अहलूवालिया अगली फिल्म में परमब्रता चटर्जी के साथ नज़र आयेंगी. निर्मित कौर अहलूवालिया ने हाल ही में नैनीताल से अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के ज़रिए फैंस के बीच उत्साह बढ़ा दिया है, जहां वह अपनी अगली फिल्म की शूटिंग कर रही हैं. उन्होंने परमब्रता चटर्जी के साथ एक सेल्फी शेयर की, जिससे दोनों के साथ काम करने की खबर सामने आई.

इस तस्वीर ने सोशल मीडिया पर तेज़ी से ध्यान खींचा. निर्मित ने पोस्ट में परमब्रता को टैग करते हुए लिखा, 'यहां के सबसे अच्छे इंसान के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है.' इसके बाद फैंस ने अंदाज़ालगाना शुरू कर दिया कि दोनों किसी नए प्रोजेक्ट में साथ नज़र आने वाले हैं. हालांकि निर्मित ने अपने कैप्शन में ज़्यादा जानकारी नहीं दी, लेकिन तस्वीर से उनकी इस नई जोड़ी की झलक साफ मिल गई.

इस प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने बताया, 'निर्मित ने नैनीताल में अपनी अगली फिल्म की

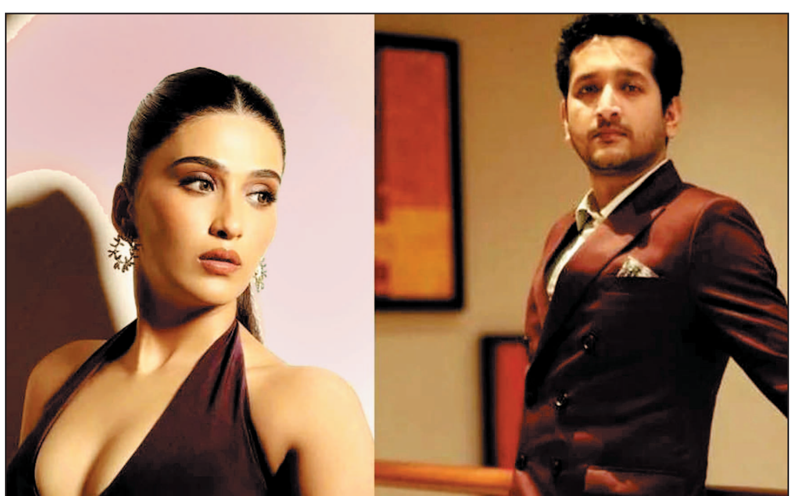

शूटिंग शुरू कर दी है और परमब्रता चटर्जी भी इसका हिस्सा हैं. टीम ने काम शुरू कर दिया है और सब कुछ तय शेड्यूल के अनुसार चल रहा है. निर्मित इस समय पूरी तरह शूट पर फोकस कर रही हैं और यह सहयोग पक्का है.' निर्मित लगातार अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स साइन कर रही हैं और अपने काम का दायरा बढ़ा रही हैं

अभीरा ने अरमान पर रखी बड़ी शर्त

स्टार प्लस के लोकप्रिय शो में इन दिनों इमोशनल ड्रामा अपने चरम पर है. अरमान और अभीरा के रिश्ते में आई दरारें अब खुलकर सामने आ रही हैं. हालिया एपिसोड में अरमान अपनी गलतियों को स्वीकार करते हुए अभीरा से माफी मांगता नजर आता है, लेकिन इस बार अभीरा का रुख पहले से ज्यादा सख्त दिखाई देता है.

आने वाले एपिसोड में अभीरा अपने दिल की असुरक्षा को खुलकर जाहिर करती है. वह साफ तौर पर कहती है कि उसे अरमान के प्यार पर शक नहीं है, लेकिन इस बात का डर जरूर है कि मुश्किल हालात में वह उसका साथ छोड़ सकता है. पहले भी कई बार अरमान दूसरों के प्रभाव में आकर उसे अकेला महसूस करा चुका है, और यही वजह है कि अभीरा अब भावनात्मक रूप से खुद को सुरक्षित रखना चाहती है.

कहानी में असली ट्विस्ट तब आता है जब अभीरा रिश्ते को एक आखिरी मौका देने का फैसला करती है, लेकिन इसके साथ ही वह एक बड़ी शर्त भी रख देती है.

किसानों के लिए गर्मी का मौसम चुनौतियां लेकर आता है. इस मौसम में फसलों का अच्छे से ख्याल रखना पड़ता है. अगर इस मौसम में किसान इन टॉप 3 सब्जी की खेती करते हैं, तो कम समय में अच्छा उत्पादन हासिल कर तगड़ी आय अर्जित कर सकते हैं.

मई में उगाएं ये सब्जियां, करें मोटी कमाई

खीरे की खेती मई में सबसे अधिक लाभकारी मानी जाती है. साथ ही इसमें विटामिन के , विटामिन सी , पोटेशियम, मैग्नीशियम, और सिलिका पोषक तत्व पाएं जाते हैं, जो शरीर के लिए बेहद जरुरी होते हैं. ऐसे में किसान अगर इस फसल की खेती करते हैं, तो 45 से 55 दिनों में उत्पादन पाकर किसान जल्दी बाजार में अपनी उपज बेच सकते हैं. गर्मियों में खीरे की मांग काफी अधिक रहती है, जिससे इसके अच्छे दाम मिलने की संभावना बढ़ जाती है, यदि किसान ट्रेलिस (जाल) पद्धति का उपयोग करें, तो उत्पादन और गुणवत्ता दोनों बेहतर हो सकती है. इससे फल साफ-सुथरे और सीधे विकसित होते हैं, जो बाजार में अधिक पसंद

किए जाते हैं.

लौकी की खेती किसानों के लिए एक सुरक्षित और लाभदायक विकल्प है. यह फसल 55 से 65 दिनों में तैयार होती है और लंबे समय तक उत्पादन देती रहती है. इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें ज्यादा देखभाल की जरूरत नहीं होती, लेकिन बेलों को सहारा देना और नियमित सिंचाई करना जरूरी होता है.

टमाटर की फसल पर कीटों का बढ़ता खतरा

अगर आप टमाटर की खेती कर रहे हैं, तो कीट रोग की पहचान होती है. सूंडी मुलायम पत्तियों को बुरी तरह कुतरकर खाती है. जैसे-जैसे सूंडी वयस्क अवस्था में पहुंचती है, यह फल में गोल छेद बनाकर अपने शरीर का आधा भाग अंदर घुसा देती है और फल के गूदे को खाती है. इसके परिणामस्वरूप फल सड़ने लगते हैं और बाजार में उनकी कीमत गिर जाती है और यदि टमाटर की फसल में कीड़ों का अधिक प्रकोप की स्थिति हो जाती है, तो 30 से 50 प्रतिशत तक उपज प्रभावित हो सकती है.

सफेद मक्खी कीट की पहचान- टमाटर के पौधों के लिए सफेद मक्खी दोहरी मार साबित होती है. इसके वयस्क और निम्फ पत्तियों का रस चूसते हैं, जिससे पौधे कमजोर हो जाते हैं. साथ ही

यह मोजैक वायरस जैसी खतरनाक बीमारियों का प्रसार भी करती है.

वायरस संक्रमित पौधों में पत्तियां सिकुड़ जाती हैं, वृद्धि रुक जाती है.

खेत की तैयारी से ही नियंत्रण की शुरुआत ऐसे करें- कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि कीट प्रबंधन की शुरुआत खेत की तैयारी से ही हो जानी चाहिए. खेत में गहरी जुताई करने से मिट्टी में मौजूद प्यूपा और सूंडियां ऊपर आ जाती हैं, जिन्हें तेज धूप नष्ट कर देती है या पक्षी खा लेते हैं. इससे किसानों को यह लाभ होता है कि प्रारंभिक स्तर पर ही कीटों की संख्या कम हो जाती है, जिससे टमाटर के पौधे कीट की चपेट में नहीं आते.

इन जैविक उपाय को अपनाएं

किसान भाई फसल की रोपाई के 20 दिन बाद 250 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से नीम खली का प्रयोग फल छेदक और पत्ती सुरंगक के आक्रमण को रोक सकते हैं. इसके अलावा, फल छेदक के जैविक नियंत्रण के लिए किसान को ट्राइकोग्रामा प्रोटिओसम का 1.50 लाख प्रति हेक्टेयर की दर से फूल आने के समय इसका प्रयोग करना चाहिए. साथ ही फल छेदक की निगरानी के लिए प्रति हेक्टेयर पांच फेरोमोन ट्रैप लगाना भी एक प्रभावी उपाय है. इससे कीटों की संख्या और प्रकोप का सही आकलन किया जा सकता है. साथ ही, टमाटर की 15 पंक्तियों के बाद गेंदे की एक पंक्ति लगाने से फल छेदक का आकर्षण कम होता है और फसल सुरक्षित रहती है.

गर्मियों में इन बातों का रखें विशेष ध्यान

गर्मियों के मौसम में चिलचिलाती धूप से परेशानी तो सबको होती है. लेकिन ों के लिए ये परेशानी और अधिक बढ़ जाती है क्योंकि गर्मी के मौसम में जानवरों के बीमार होने की संभावना अधिक बनी रहती है. वहीं, दूध के उत्पादन में भी कमी देखी जाती है. इस समय पशुओं में कई गंभीर लक्षण दिखाई देने लगते हैं. ऐसे में गर्मी के मौसम में पशुओं की दिनचर्या, रहन-सहन और खान-पान बदलने की जरूरत होती है.

गर्मियों में इन बातों का रखें विशेष ध्यान- इस मौसम में जानवरों को खुले हवादार स्थान पर रखें. लू लगने की अवस्था में पशु को ठण्डे स्थान पर बांधे और माथे पर बर्फ या ठंडे पानी की पट्टियां बांधे. हो सके तो उनके आवास में पंखे या कूलर लगा सकते हैं. ध्यान दें कि पशु के खाने में दाना कम रहे और हरा चारा अधिक दें. प्रतिदिन कम से कम 2 बार पशु को स्नान कराएं.

गर्मी के समय पशुओं में बीमारी की पहचान ऐसे करें- जानवरों में बीमार होने पर शरीर का तापमान बढ़ जाता है. उनमें अगर बेचैनी या पसीने व लार का स्राव बढ़ जाए तो सर्तक हो जाएं. नाक से खून आना, पतला दस्त होना और आंख व नाक लाल होना बीमारी का संकेत कराते हैं. इसके साथ ही अगर जानवर अपने भोजन में कमी कर दे या ठंडे स्थान की तलाश करने लगे तो, ये लक्षण भी बीमारी का होता है.

रोग से ऐसे करें बचाव- पशुओं को बीमारियों से बचाने के लिए टीकाकरण आवश्य कराना चाहिए. खाने में हरी घास दें ताकि उसे भरपूर आहार मिल सके. दिन में कम से कम तीन बार पानी अवश्य पिलाएं. इसमें ध्यान दें कि पानी में थोड़ा नमक मिला दिया करें. इस मौसम में आटा, रोटी, चावल पशुओं को नहीं खिलाना चाहिए. संतुलित आहार में दाना एवं चारे का अनुपात 40 और 60 का रखना चहिए.

तेजी से लोकप्रिय हो रहा है पशु आहार

पशु आहार की दुकान एक लाभदायक व्यवसाय है, जो ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में चलता है. इसे शुरू करने के लिए सही योजना, उपयुक्त स्थान, उच्च गुणवत्ता वाले आहार, और ग्राहकों की संतुष्टि पर ध्यान दें. लाइसेंस प्राप्त करें, मार्केटिंग करें, डिलीवरी सेवाएं प्रदान करें. पशु दवाइयां और सप्लीमेंट्स जोड़कर मुनाफा बढ़ाएं. सही रणनीति से जल्दी सफलता पाएं.

व्यवसाय की योजना तैयार करें

* अपने बिजनेस को सुचारू रूप से चलाने के लिए पहले व्यवसाय से जुड़ी एक स्पष्ट योजना बनाएं.
* दुकान खोलने के लिए कितनी पूंजी की आवश्यकता होगी, इसकी जानकारी लें.
* यह तय करें कि आप किस प्रकार का पशु आहार बेचेंगे, जैसे दूध देने वाले पशुओं का चारा, मुर्गियों का दाना, मछलियों का आहार आदि.

स्थान का चयन

* दुकान ऐसी जगह पर खोलें, जहाँ पशुपालक आसानी से पहुंच सकें.
* ग्रामीण क्षेत्रों में पशु आहार की अधिक मांग होती है.
* दुकान का स्थान बाजार के करीब हो तो बेहतर रहेगा.

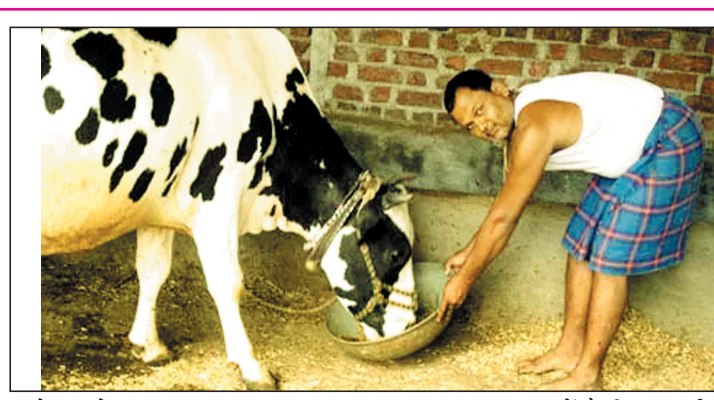

पशु आहार के प्रकार और गुणवत्ता पर ध्यान दें

* अपने स्टोर में विभिन्न प्रकार के आहार उपलब्ध कराएं, जैसे:
* दुग्ध उत्पादक पशुओं के लिए: खली, चोकर, मक्का, हरा चारा.
* मुर्गी पालन के लिए: लेयर फीड, ब्रायलर फीड.
* मछली पालन के लिए: फिश पेललेट्स.

मार्केटिंग और प्रचार

* दुकान का प्रचार-प्रसार करें ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग आपकी दुकान के बारे में जान सकें.
* सोशल मीडिया का उपयोग करें और किसानों से सीधा संपर्क करें.
* समय-समय पर डिस्काउंट और ऑफर देकर ग्राहकों को आकर्षित करें.
* उच्च गुणवत्ता वाला आहार बेचें ताकि ग्राहकों का विश्वास बना रहे.

लाइसेंस और परमिट प्राप्त करें

* पशु आहार का व्यवसाय शुरू करने से पहले स्थानीय अधिकारियों से लाइसेंस प्राप्त करें.
* राज्य सरकार द्वारा जारी खाद्य एवं चारा मानकों का पालन करें.